पंजाब केसरी 01/08/2025

# जनसंचार केवल खबरों तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम है : डा. रोहित दत्त

*जी:एम.एन. कॉलेज के मास कम्युनिकेशन में आयोजित कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे संसाधन व्यक्ति एवं विद्यार्थी।* (चंद्रमोहन)

अम्बाला, 31 जुलाई (बलराम): ऑर्गेनाइजेशन फॉर सोशल एंड कलचरल अवेयरनैस (ओस्का) एवं इद्रीश फाऊंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत वीरवार को जी.एम.एन. कॉलेज के मास कम्युनिकेशन में कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य जनसंचार के क्षेत्र में विद्यार्थियों की दक्षता और व्यावसायिक कौशल को बढ़ावा देना था।

इस अवसर पर जी.एम.एन. कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कहा कि आज के डिजिटल युग में जनसंचार केवल खबरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन चुका है।

ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को तकनीकी और नैतिक दोनों स्तरों पर सक्षम बनाते हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मीडिया जनचेतना का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। युवाओं को मीडिया की तकनीकी दक्षता के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व को भी समझना आवश्यक है।

कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में कॉलेज के जनसंचार एवं वीडियो प्रोडक्शन के सहायक प्रवक्ता राजिन्दर मीरवाल ने पत्रकारिता, डिजिटल मीडिया, पी.आर. और कंटैंट क्रिएशन जैसे विषयों पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की बदलती भूमिका पर आधारित सत्र रहा।

उन्होंने प्रतिभागियों को मीडिया के बदलते परिदृश्य और सोशल मीडिया की भूमिका पर गहन जानकारी देते हुए बताया कि टी.वी., रेडियो और डिजिटल न्यूज प्लेटफॉर्म्स ने जनसंचार के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है।

न्यूज प्रिजैंटेशन से लेकर लाइव रिपोर्टिंग और स्टूडियो डिस्कशन तक, हर पहलू में तकनीक की भूमिका बढ़ी है। इसके साथ ही मीडिया में फेक न्यूज, टी.आर.पी. की दौड़ और नैतिक पत्रकारिता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

ओस्का के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल और इद्रीश फाऊंडेशन की प्रोजैक्ट कोऑर्डिनेटर करिश्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि इस इंटर्नशिप का उद्देश्य युवाओं को मीडिया इंडस्ट्री की वास्तविक जरूरतों से परिचित करवाना और उनमें नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच व सामाजिक दृष्टिकोण को विकसित करना है।